सचिव की कलम से :

वर्ष 2005 शिक्षित रोजगार केन्द्र प्रबन्धक समिति के लिए अनेक चुनौतियों एवं बाधाओं से भरा रहा। सीमित धनकोष और कार्यों की एक बड़ी फेहरिस्त। यह वर्ष हमारे लिए ग्रामीण विकास के क्षेत्र में विशेष रूप से चुनौती भरा रहा जिसके लिए संस्थान सामान्य रूप से वचनबद्ध है। संस्थान स्थानीय लोगों के विकास के लिए आवश्यकता पर आधारित कार्यक्रम साझेदारी से लेती है। संस्थान नये सरकारी कार्यक्रमों एवं नये सन्देश के लिए अच्छी संप्रेषण टीम भी रखता है।

संस्थान सम्पूर्ण उद्देश्यों को प्राप्त करने में ऊपर से नीचे तक के सभी सदस्यों, फील्ड कार्यकर्ताओं और स्टाफ का सहयोग प्राप्त करने में विश्वास रखता है और इसी अनुरूप अपनी गतिविधियों को अंजाम देता है। इन चुनौतियों के बावजूद वर्ष 2005 हमारे मिशन की कामयाबी और नवीन ऊर्जा स्रोत प्राप्ति के लिहाज से काफी संतोषप्रद रहा।

हम समुदाय के सहयोग से कार्यक्रमों के क्रियान्वयन और उसी अनुरूप अपने भावी मिशन और विजन को प्राप्त करने में सफल रहे। हमने इस वर्ष हमारे संस्थान की वेबसाइट www.srkps.org शुरुआत की है जो हमारे अनुभव बांटने का एक सशक्त मंच भी होगी।

हम संस्थान के सभी सदस्यों के सहयोग और सलाह से भलीप्रकार अवगत हैं। सहयोगी संस्थाओं का हमारे प्रति विश्वास है जो हमारा सम्बल है। अन्त मे उन सभी को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने हमारे कार्य में प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से किसी भी स्तर पर सहयोग किया है।

– धन्यवाद –

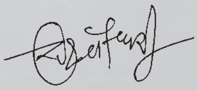

राजन चौधरी
सचिव

हमारा विजन

एक स्वस्थ , शिक्षित और आत्मनिर्भर समाज के विकास में योगदान

हमारा मिशन

समाज में व्याप्त गरीबी एवं असमानता को मिटाने में समुदाय की भागीदारी को बढ़ाना

शिक्षित रोजगार केन्द्र प्रबन्धक समिति के बारे में

शिक्षित रोजगार केन्द्र प्रबन्धक समिति की स्थापना विज्ञान विषय से स्नातक, राष्ट्रदूत समाचार पत्र के मुख्य संवाददाता श्रीमान राजन चौधरी द्वारा की गई । आज यह संस्था अपनी पहुंच का विस्तार कर झुन्झुनू में मुख्य कार्यालय के साथ तीन जिलों में समुदाय के साथ काम कर रही है ।

हमारे कार्य का तरीका

शिक्षित रोजगार केन्द्र प्रबन्धक समिति उन लोगों के बारे में चिन्तित है जिनकी आवश्यकताओ को सब नजर-अन्दाज कर देते हैं । शिक्षित रोजगार केन्द्र प्रबन्धक समिति गरीब और हाशिये के समूह में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए व्यक्ति आधारित रणनीति का प्रयोग करती है ।

प्रभावशाली पथ-प्रदर्शन के लिए हम लोगों से सीखते हैं और उनके साथ हम जो जानते हैं, उसको बांटते हैं। हम पता करते हैं कि लोग क्या करना चाहते हैं और हम उनका बेहतर सहयोग कैसे कर सकते हैं।

हम समुदाय से उसकी क्षमता को मजबूत करने के लिए सहयोग लेते हैं।

संस्थान का इतिहास

शिक्षित रोजगार केन्द्र प्रबन्धक समिति की स्थापना 1987 मे झुन्झुनू जिले के मण्डावा कस्बे मे रहने वाले युवा समूह द्वारा की गई। संस्थान की स्थापना का उद्देश्य बेरोजगारी को कम करना था। युवा अपने क्षेत्र के बच्चों एवं महिलाओं के विकास यथा स्वास्थ्य, शिक्षा आदि के क्षेत्र में विशेषरूप से शामिल होना चाहते थे । समूह का नेतृत्व श्री राजन चौधरी ने किया एवं उन्होंने संस्थान का औपचारिक पंजीकरण करवाया । संस्थान की शुरुआत अनेक युवाओं को उनके रोजगार के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के रूप में हुआ। समय के साथ संस्थान ने अपने मिशन और उद्देश्य में परिवर्तन कर स्वास्थ्य, शिक्षा और पंचायती राज संस्थान के साथ कार्य करने की दिशा में प्रवेश किया। शिक्षित रोजगार केन्द्र प्रबन्धक समिति के नाम से ही स्पष्ट होता है कि इसकी शुरुआत बेरोजगार युवाओं को रोजगार देने के उद्देश्य से की गई। बाद मे जब मिशन और उद्देश्य में परिवर्तन हो गया तो संस्थान अपने आप ग्रामीण विकास की मुख्य धारा मे चलने लगा। शिक्षित रोजगार केन्द्र प्रबन्धक समिति का पंजीयन 1987 मे राजस्थान राज्य सोसायटी रजिस्ट्रेशन एक्ट 1958 मे हुआ है और संस्थान का फोरेन कॉन्ट्रीब्यूशन एण्ड रेगुलेशन एक्ट मे भी पंजीकरण है । संस्थान अनेक नेटवर्क का सक्रिय सदस्य है। संस्थान का विश्वास है कि नेटवर्क मिशन को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण है ।

हमारे सहयोगी

● ममता, नई दिल्ली ● केयर इंडिया, जयपुर ● बीसीटी, चूरू ● पीएफआई, नई दिल्ली ● अर्थ, उदयपुर ● आईएलपी, बंगलौर ● प्रिया, नई दिल्ली ● प्लान इंडिया, नई दिल्ली ● आईआईएचएमआर, जयपुर ● आईजीईआरएस, जयपुर ● राजस्थान सरकार, जयपुर ● डीएसटी, नई दिल्ली ● केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड, नई दिल्ली ● सेवा मंदिर, उदयपुर ● प्रयास, चित्तौड़गढ़ ● अरावली, जयपुर ● यूनिसेफ, जयपुर ● राजस्थान राज्य महिला आयोग, जयपुर ● जिला प्रशासन, झुंझुनूं

नेटवर्क

सर्जन – ममता, नई दिल्ली द्वारा वाईआरएसएचआर का नेटवर्क

उमंग धोरारी – ममता, नई दिल्ली द्वारा वाईआरएसएचआर का नेटवर्क

सुमा – राजस्थान सुरक्षित मातृत्व गठबन्धन का नेटवर्क

डब्ल्यूआरए – सुरक्षित मातृत्व पर वैश्विक का नेटवर्क

राष्ट्रीय सम्बन्ध – मिशन 2007 का नेटवर्क

समाज नेटवर्क – राजस्थान के शेखावाटी अंचल में गैर सरकारी संस्थानों का नेटवर्क

दुर्योग निवारण – दक्षिण एशियन देशों की आपदा प्रबन्धन का नेटवर्क

वर्षभर की झलकियाँ

स्वास्थ्य कार्यक्रम

परियोजना-1: कम उम्र में शादी एंव कम उम्र में गर्भधारण में कमी लाना	परियोजना - 2 समेकित पोषण एवं स्वास्थ्य परियोजना - द्वितीय चरण	परियोजना- 3 एच.आई.वी. / एड्स परियोजना
परियोजना- 4 सुरक्षित मातृत्व परियोजना	परियोजना- 5 प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य- 1	

परियोजना-1: कम उम्र में शादी एंव कम उम्र में गर्भधारण में कमी लाना

परियोजना का स्वरूप : झुन्झुनू जिले में युवा वर्ग को कम उम्र में शादी एवं कम उम्र में गर्भधारण दुष्प्रभावों से अवगत कराकर सहयोगात्मक वातावरण तैयार करना ।

उद्देश्य :

- विवाह की उम्र में देरी एवं विवाह की प्रभावी उम्र को प्रोत्साहन ।
- प्रथम गर्भावस्था में देरी के लिए वातावरण निर्माण ।
- इस मुद्दे पर समीक्षा एवं प्रभावी नीति निर्माण की शुरुआत ।
- उचित हस्तक्षेप निर्माण का विकास एवं प्रलेखन ।
- युवा मैत्री लैंगिक एवं प्रजनन स्वास्थ्य डिलीवरी तन्त्र के लिए वकालत।
- विभिन्न स्तरों पर युवा प्रतिभागियों की भागीदारी निश्चित करना ।

कालांश :

यह परियोजना अब दूसरे चरण में है । प्रथम चरण 2002 से 2005 तक की अवधि में कार्यान्वित हुआ । परियोजना का वर्तमान समय 2005 से 2008 तक का है ।

कार्य क्षेत्र :

झुन्झुनू जिले की पंचायत समिति, अलसीसर की चार ग्राम पंचायत लूणा , लादूसर , अलसीसर एवं मलसीसर हैं ।

लक्षित समूह :

परियोजना का लक्ष्य 15 से 19 वर्ष के आयु समूह पर विशेष केन्द्र के साथ 10 से 24 आयु वर्ग के युवा एवं किशोर हैं ।

हितधारक :

परियोजना के हितधारक माता-पिता, नयी शादी होने वाले जोड़े,ए एन एम/आंगनबाड़ी कार्यकर्ता /पंचायत जनप्रतिनिधि एवं किशोर हैं ।

वर्ष 2005 की मुख्य गतिविधि :

- वाई आर एस एच आर के बारे मे बताने के लिए हमजोली शिक्षकों की आवासीय कार्यशाला ।
- दो दिवसीय चिकित्सकीय अधिकारियों का क्षमता वर्धन (दो समय)
- दो दिवसीय समेकित बाल विकास योजना स्टाफ का क्षमता वर्धन (दो समय)
- दो दिवसीय पैरामेडिकल स्टाफ का क्षमता वर्धन (दो समय)
- दो दिवसीय विद्यालय स्टाफ की क्षमता वर्धन (एक समय)
- लाँच कार्यशाला
- गैर सरकारी संस्थानों के साथ नेटवर्किंग मिटिंग एवं बाद में समीक्षा मीटिंग
- युवांकुर पत्रिका का प्रकाशन

उपलब्धियां :

- महिला हमजोली शिक्षकों की अधिक संख्या के साथ हमजोली शिक्षकों की कार्यशाला का सफलतापूर्वक संचालन
- क्षमता वर्धन काल के बाद युवा मित्रता स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 6 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर विशेष ध्यान
- 3 ग्राम पंचायतों के कार्यालयों में विवाह पंजीयन रजिस्टर का संस्थापन करना
- युवाओं को सूचना देने के लिए दो सीआईसी का संचालन
- किशोर स्वास्थ्य शिक्षा के अन्तर्गत 4 विद्यालयों को समाहित करना
- सीनियर के विद्यार्थियों के मध्य उनकी स्वास्थ्य कक्षाओं के लिए दो नियमित विद्यालय

कार्य के दौरान समस्याएं :

युवाओं और किशोरों के साथ काम करना निम्न कारणों से आसान नहीं है :-

- वे बाहर के पुरुषों के प्रति पूरी तरह से सशंकित होते हैं

- वे सूचनाओं के प्रति अधोमुखी एवं अजिज्ञासु होते हैं
- वे प्रयोगात्मक प्रवृत्ति रखते हैं
- युवाओं में बेरोजगारी की ऊँची दर
- सेक्स के प्रति युवाओं के व्यवहार का ज्यादा खतरा

परियोजना - 2 : समेकित पोषण एवं स्वास्थ्य परियोजना - द्वितीय चरण

परियोजना का स्वरूप : **समेकित पोषण एवं स्वास्थ्य परियोजना के माध्यम से ग्राम स्तर पर सुधार लाना**

लक्ष्य :

इस परियोजना का लक्ष्य लक्षित क्षेत्र मे महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सतत सुधार लाना है ।

उद्‌देश्य :

- सेवाएं प्रदान करने वालों के मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं एवं खण्ड के मुख्य तन्त्र की गुणवत्ता एवं कार्यक्षेत्र में सुधार ।
- मातृत्व और शिशु स्वास्थ्य में सुधार के लिए सतत सामुदायिक गतिविधियां ।
- पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं में गुणवत्ता लागू कर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाली मशीनरी में मजबूती निश्चित करना ।
- सामुदायिक नियुक्ति प्रक्रिया के लिए स्थानीय सरकारी तंत्र नियुक्ति एवं मजबूती करना ।
- परियोजना कार्यक्षेत्र में मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं कार्यक्षेत्र में सुधार तथा पूर्ति करने वाले कड़ी तन्त्र मे सुधार करना ।
- मातृत्व एवं स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की गतिविधियों के बीच समुदाय की सहभागिता एवं मौलिकता को निश्चित करना ।

कालांश :

परियोजना का वर्तमान समय दिसम्बर, 2005 से दिसम्बर 2006 तक है ।

कार्य क्षेत्र :

झुन्झुनू जिले के सम्पूर्ण 8 ब्लॉक एवं चूरू जिले के 3 ब्लॉक हैं।

लक्षित समूह :

दो वर्ष तक के बच्चे , गर्भवती एवं धात्री माताएं ।

हितधारक :

परियोजना के हितधारक समेकित बाल विकास योजना और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाले , पंचायती राज संस्थान तथा किशोर हैं।

वर्ष 2005 की मुख्य गतिविधियां :

- आंगनबाड़ी केन्द्रों का अभिलेखन सही करवाना ।
- आंगनबाड़ी केन्द्रों पर लाभार्थियों का पंजीकरण ।
- मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य दिवस को फेसिलिटेट व मॉनिटरिंग करना ।
- लाभार्थियों से सीधा सम्पर्क कर आंगनबाड़ी और उप स्वास्थ्य केन्द्र पर स्वास्थ्य एवं पोषण से सम्बन्धित मिलने वाली सेवाओं के प्रति उनको जागरूक बनाना तथा उनको निर्देशित करना ।
- आंगनबाड़ी केन्द्र और उप स्वास्थ्य केन्द्र के बीच समन्वय स्थापित करना ।
- ग्राम स्तर पर प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य एवं पोषण से सम्बन्धित सेवाओं की देखभाल के लिए पंचायती राज संस्थान के प्रतिनिधियों को प्रोत्साहित करना ।
- गर्भस्थ एवं धात्री माताओं में सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन को प्रोत्साहन ।
- आंगनबाड़ी केन्द्रों की समस्याओं को समेकित बाल विकास योजना के अधिकारियो के साथ बांटना ताकि वे समस्या को हल कर सकें ।
- समेकित बाल विकास योजना और स्वास्थ्य विभाग की ब्लॉक स्तरीय मासिक मीटिंग मे उपस्थिति तथा उनके साथ प्रगति को बांटना ।

उपलब्धियां :

- आंगनबाड़ी केन्द्र निर्धारित समय के अनुसार खोलना एवं बन्द करना ।
- चूरू जिले के रतनगढ़ ब्लॉक में लाभार्थियों का शत प्रतिशत पंजीकरण ।
- आंगनबाड़ी केन्द्रों पर अभिलेख संधारण की व्यवस्थित तरीके से शुरुआत ।
- मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य पोषण दिवस को अनुसूची के अनुसार मनाना ।
- पंचायती राज प्रतिनिधियों द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्र की गतिविधियों की देखभाल ।
- सभी प्रदर्शन स्थानों सहित सामाजिक मानचित्र के संधारण की शुरूआत ।
- सहयोगीनियों को प्रशिक्षण देने के परिणाम स्वरूप सही और नियोजित तरीके से गृह सम्पर्क की शुरुआत ।

- परियोजना कार्यक्षेत्र मे बीमार प्रथा जैसे नवजात शिशु को घूंटी एवं मां का दुग्ध पिलाने में बरती जाने वाली उदासीनता को दूर करना ।
- समेकित बाल विकास योजना एवं स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त सभा की शुरुआत ।

कार्य के दौरान समस्याएं :

- आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं में साक्षरता एवं जागरूकता का अभाव ।
- आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायक परिचारिका धात्री में समन्वय की कमी ।
- पंचायती राज जनप्रतिनिधियों का स्वास्थ्य सेवाओं में शामिल नहीं होना ।
- समेकित बाल विकास योजना एवं स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त सभा का अभ्यास में नहीं होना ।

परियोजना- 3 एच. आई. वी. /एड्स

परियोजना का स्वरूप : झुन्झुनू में युवाओं में एच.आई.वी./एड्स के प्रति भेद्यता को कम कर सेवाओं में पहुंच एवं निवारण को बढ़ाना ।

लक्ष्य :

युवाओं में एच.आई.वी. /एड्स के प्रति भेद्यता को कम करना ।

कार्यकाल :

मार्च, 2006 से मार्च, 2007 तक

कार्य क्षेत्र :

झुन्झुनू जिले के चिड़ावा एवं सूरजगढ ब्लॉक की 6 ग्राम पंचायतों के 24 गांव ।

लक्षित समूह :

15 से 29 आयु वर्ग के युवा लोग

हितधारक :

स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाले , पंचायती राज संस्थान एवं माता-पिता आदि ।

वर्ष 2005-06 की मुख्य गतिविधियां : (मार्च, 2006)

- स्टाफ की भर्ती
- ग्राम स्तरीय मानचित्र
- विभिन्न हितधारकों के साथ अन्तःक्रिया
- की जाने वाली गतिविधियों के लिए योजना

उपलब्धियां :

- स्टाफ की भर्ती एवं आमुखीकरण के बाद गतिविधियों के लिए स्थान्तरित
- ग्राम स्तरीय मानचित्र तैयार

परियोजना- 4 सुरक्षित मातृत्व परियोजना

परियोजना का स्वरूप : प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य के माध्यम से सुरक्षित मातृत्व

लक्ष्य :

मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करना ।

कार्यकाल :

अक्टूबर, 2004 से सितम्बर, 2007 तक

कार्य क्षेत्र :

झुन्झुनू जिले के अलसीसर ब्लॉक की 7 ग्राम पंचायतों के 23 गांव

लक्षित समूह :

गर्भस्थ एवं धात्री माताएं तथा 5 वर्ष तक के बच्चे ।

हितधारक :

स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाले , पंचायती राज संस्थान एवं माता-पिता आदि ।

2005-06 की मुख्य गतिविधियां :

- लूणा गांव में स्थित स्वास्थ्य केन्द्र आपणो स्वास्थ्य केन्द्र के द्वारा प्रशिक्षित प्रचारिका धात्रियों के माध्यम से नियमित मातृत्व एवं स्वास्थ्य सेवाएं ।
- परियोजना क्षेत्र के गांवों में फील्ड क्लिनिक
- ग्राम स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के द्वारा लाभार्थियों का नियमित पता करना ।
- संकटकाल में लाभार्थियों का क्लिनिक सहायक एवं ग्राम स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा संयुक्त रूप से परामर्श एवं नियमित गृह सम्पर्क ।
- दाई एवं हमजोली शिक्षकों का प्रशिक्षण ।

उपलब्धियां :

- प्रचारिका धात्री द्वारा 28 डिलीवरी आपणो स्वास्थ्य केन्द्र पर एवं 13 डिलीवरी घर पर करवायी गईं ।
- कुल 1304 सेवार्थियों को स्वास्थ्य केन्द्र पर एवं 1147 सेवार्थियों को फील्ड क्लीनिक के माध्यम से लाभ पहुंचाया गया ।

- मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य स्तर को मजबूत करने के लिए सात स्वयं सहायता समूहों के साथ काम कर रहे हैं ।
- परियोजना क्षेत्र के गांवों में 46 हमजोली शिक्षकों का चयन कर उनका किशोर स्वास्थ्य पर आमुखीकरण किया गया है ।
- कुल 117 बच्चों का स्वास्थ्य केन्द्र पर एवं 111 का फील्ड क्लीनिक उत्तरदाता द्वारा टीकाकरण किया गया ।
- कार्यक्षेत्र के योग्य दम्पतियों को कुल 500 ऑरल पिल्स एवं 3200 निरोध पाऊच वितरित किये गये ।
- कुल 73 लैब परीक्षण स्वास्थ्य केन्द्र पर एवं 136 लैब परीक्षण फील्ड क्लिनिक उत्तरदाता द्वारा किये गये ।
- कुल 93 प्रसव पूर्व जांच स्वास्थ्य केन्द्र पर एवं 762 प्रसव पूर्व जांच फील्ड क्लिनिक उतरदाता द्वारा की गईं ।
- कुल 31 प्रसव के बाद जांच स्वास्थ्य केन्द्र पर एवं 54 प्रसव के बाद जांच फील्ड क्लिनिक उत्तरदाता द्वारा की गईं ।

परियोजना- 5 प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य- 1

परियोजना का स्वरूप : प्रस्तावित पहुंच से बाहर के गांवों में प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य स्तर को बढ़ाना ।

उद्देश्य :

विस्तृत उद्देश्य :-किशोरों के मध्य पायी जाने वाली आर टी आई/एस टी आई के कारण अस्वस्थता एवं मातृ मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर व बाल मृत्यु दर को कम करना ।

विशेष उद्देश्य :

- लक्षित महिलाओं एवं बच्चों में सम्पूर्ण टीकाकरण
- असुरक्षित गर्भपात , डिलीवरी एवं अनिच्छित मातृत्व मे कमी लाना
- गर्भावस्था व नये जन्मे बच्चे की देखभाल के लिए बताना
- गर्भनिरोधक के उपयोग की सूचनाओं के प्रचार-प्रसार एवं उनकी उपलब्धता को बढ़ाना ।
- मातृ स्वास्थ्य देखभाल के लिए अलसीसर ब्लॉक के 10 गांवों का उत्तरदायित्व लेना ।
- किशोरों के मध्य स्वच्छता पर जागरूकता कार्यक्रम ।
- महिलाओं को प्रजनन अंग , प्रजनन जनसंख्या नियंत्रण एवं अन्य स्वास्थ्य मुद्दों पर जागरूक बनाना ।
- स्वास्थ्य संस्थाओं द्वारा दी जाने वाली मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को गुणवत्ता प्रदान करना ।
- समुदाय एवं संस्थान स्तर पर आपातकालीन सेवाओं के रखरखाव में सुधार ।
- जन्म अन्तराल एवं परिवार नियोजन से सम्बन्धित निर्णयों में महिला संगठनों की क्षमता और आत्मविश्वास को मजबूत करना ।

- किशोर लड़के-लड़कियों को उनके परिवार की योजना से सज्जित करना।
- आर.टी.आई./एस. टी. आई. ग्रसित रोगियों में कमी लाने के लिए निरोध के प्रयोग को प्रोत्साहन।

कार्यकाल :

दिसम्बर, 2004 से दिसम्बर, 2005 तक

कार्य क्षेत्र :

अलसीसर ब्लॉक के 14 गांव ।

लक्षित समूह :

निर्धारित गांवों के 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चे , गर्भस्थ महिलाएं , धात्री माताएं एवं योग्य विवाहित जोड़े ।

हितधारक :

समेकित बाल विकास योजना और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाले तथा पंचायती राज संस्थान आदि।

वर्ष 2005-06 की मुख्य गतिविधियां :

- चलचित्र प्रदर्शन
- नारा लेखन
- पंचायती राज संस्थान व ग्राम स्वास्थ्य केन्द्र के सदस्यों का क्षमता वर्धन
- स्वयं सहायता समूह का प्रशिक्षण
- आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायक प्रचारिका धात्रियों का प्रशिक्षण
- दाई प्रशिक्षण
- स्वास्थ्य शिविर
- चिकित्सकीय किट वितरण

उपलब्धियां :

- डिलीवरी केस की संख्या में प्रशिक्षित धात्री एवं प्रचारिका की उपस्थिति को बढ़ावा।
- प्रसव पूर्व एवं प्रसव पश्चात् गुणवत्तापूर्ण देखभाल में बढ़ोतरी
- कार्यक्षेत्र में जन्म अन्तराल विधियों के प्रयोग को बढ़ावा जिसका लाभ विवाहित किशोरियों को उनकी प्रथम गर्भावस्था के दौरान तथा बड़ी महिलाओं को होगा।
- अच्छी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पंचायत सदस्यों को संवेदनशील बनाना।
- गर्भस्थ महिलाओं एवं नये जन्मे बच्चों का टीकाकरण ।
- सरकारी अधिकारियों के साथ फलद संवाद् ।

- असुरक्षित गर्भपात अभ्यास व प्रसव पूर्व निदानात्मक जांच पर अधिक प्रतिबन्ध ।
- युवाओं की उनकी प्रजनन स्वास्थ्य की आवश्यकताओं के प्रति आवाज बुलन्द करना
- सेवार्थी और सेवाएं प्रदान करने वालों के बीच अच्छा सम्बन्ध स्थापित करना ।
- 80 प्रतिशत माताओं को ब्रेस्ट फीडिंग अभ्यास के विस्तृत अपवर्जन को बताना जो कि अधिपोषण को कम करता है एवं शारीरिक व मानसिक वृद्धि को बढ़ाता है ।
- लैंगिकता के प्रति विस्तृत समझदारी को बढ़ाना।
- जीवन की गुणवत्ता एवं उपयोगिता को बताना ।
- लम्बे समय से शिशु दर के प्रति झुकाव को निश्चित करना ।
- सुरक्षित और स्वच्छ प्रजनन स्वास्थ्य अभ्यास के बीच विस्तृत जागरूकता को बढ़ावा ।

शिक्षा कार्यक्रम

परियोजना- 1 : भारतीय साक्षरता परियोजना	इण्डियन लिटरेशी प्रोजेक्ट

परियोजना- 1 : भारतीय साक्षरता परियोजना

परियोजना का स्वरूप : बालमित्र विद्यालयों के माध्यम से वंचित वर्ग के बच्चों को शिक्षा से जोड़ना

लक्ष्य :

6 से 14 आयु वर्ग के शिक्षा से वंचित बच्चों में प्राथमिक शिक्षा को प्रोत्साहन

कार्यकाल :

वर्ष 2001 से चल रहा है

कार्य क्षेत्र :

सूरजगढ़ और चिड़ावा ब्लॉक की 8 ढाणियां

लक्षित समूह :

वंचित वर्ग समुदाय (घूमन्तु) के बच्चे जो औपचारिक शिक्षा से वंचित हैं।

हितधारक :

शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाले , पंचायती राज संस्थान व माता-पिता आदि ।

वर्ष 2005-06 की मुख्य गतिविधियां :

- ढाणियों का बेस लाइन अध्ययन
- बच्चों का चयन और बालमित्र विद्यालय में नामांकन

- निर्देशक द्वारा बच्चों के साथ नियमित अन्तःक्रिया
- केन्द्र पर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन
- निर्देशकों का क्षमता वर्धन
- ब्लॉक स्तरीय शिक्षा सेवा प्रदान करने वालों और अन्य ब्लॉक स्तरीय अधिकारियो के साथ कार्यशाला
- जिला स्तरीय अधिकारियों एवं मीडिया के साथ कार्यशाला

- बालमित्र विद्यालयों में मीडिया की भ्रमण यात्रा
- बाल दिवस के अवसर पर बाल मेला का आयोजन
- विभिन्न गतिविधियों के साथ स्वतंत्रता दिवस व गणतन्त्र दिवस को मनाना
- नियमित अभिभावक सभा

उपलब्धियां :

- सभी 8 केन्द्रों पर लगभग 300 बच्चे नामांकित
- सभी 8 केन्द्रों पर 16 स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन
- सत्र के अन्त में 14 बच्चों का औपचारिक विद्यालयों में नामांकन
- बच्चों की प्रगति पर ग्राम शिक्षा समिति व अभिभावकों के साथ 32 सभाएं
- मीडिया द्वारा परियोजना का भ्रमण

स्वशासन परियोजना :

परियोजिना- 1 पंचायत सन्दर्भ केन्द्र	परियोजना- 2 : शहरी सन्दर्भ केन्द्र	परियोजना- 3 सार्वभौमिक जन्म पंजीकरण

परियोजिना- 1 पंचायत सन्दर्भ केन्द्र

परियोजना का स्वरूप : **जनप्रतिनिधियों का विशेष रूप से महिला, अनु.जाति एवं जनजाति का सशक्तिकरण करना**

उद्देश्य :

- सूचना एकत्रित करना और उसको चारों ओर फैलाना
- पंचायती राज संस्थान के सदस्यों में क्षमता वर्धन
- उत्तरदायी स्वशासन को प्रोत्साहन

कार्यकाल :

वर्ष 2000 से चल रहा है

कार्य क्षेत्र :

झुन्झुनू जिले के अलसीसर ब्लॉक की ग्राम पंचायतें

हितधारक :

पंचायतीराज संस्थान व बड़े स्तर पर ग्राम समुदाय आदि ।

वर्ष 2005-06 की मुख्य गतिविधियां :

- ग्राम सभा व वार्ड सभा के आयोजन के लिए जागरूकता अभियान
- पंचायत मीटिंग में भागीदारी एवं पथ-प्रदर्शन
- विभिन्न मुद्दों जैसे स्वास्थ्य , शिक्षा आदि पर दलित एवं महिला पंचायती राज जनप्रतिनिधियों का क्षमता वर्धन

उपलब्धियां :

- लगभग 26 नये चुने गये पंचायती राज जनप्रतिनिधियों को पंचायती राज से सम्बन्धित विभिन्न मुद्दों पर आमुखीकरण प्रशिक्षण दिया गया ।
- लगभग 27 महिला पंचायती राज जनप्रतिनिधियों को विभिन्न मुद्दों पर प्रशिक्षण दिया गया ।
- लगभग 33 दलित पंचायती राज जनप्रतिनिधियों को प्रशिक्षण ।
- 30 नागरिक नेताओं का विभिन्न मुद्दों जैसे गरीबी रेखा से नीचे के लोगों का चयन आदि पर आमुखीकरण ।
- 20 अशिक्षित पंचायती राज जनप्रतिनिधियों का साक्षरता प्रशिक्षण ।
- 57 पंचायती राज जनप्रतिनिधियों को नवीनीकरण प्रशिक्षण दिया गया ।
- 22 युवाओं को विभिन्न मुद्दों पर आमुखीकरण किया गया ।
- नये चुने गये पंचायती राज सदस्यों में प्रशिक्षण को फैलाने के लिए झुन्झुनू व सीकर जिले की 80 सदस्यो की ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षणार्थी टीम का प्रशिक्षण । (सहयोग इन्दिरा गांधी पंचायती राज संस्थान ,जयपुर)

शिक्षित रोजगार केन्द्र प्रबन्धक समिति द्वारा विकेन्द्रीकृत शासन के विभिन्न मुद्दों पर

जिला प्रशिक्षण टीम के प्रशिक्षणार्थियों का 6 दिवसीय प्रशिक्षण करवाया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम इन्दिरा गांधी पंचायती राज संस्थान, जयपुर के सहयोग से करवाया गया । इस गहन आवासीय प्रशिक्षण का आयोजन 16 मई, 2005 से 21 मई, 2005 तक झुन्झुनू व सीकर जिले के 80 सदस्यों की जिला प्रशिक्षणार्थी टीम के लिए किया गया। जिला प्रशिक्षणार्थी टीम में एक तरफ जहां खण्ड विकास अधिकारी व उनके द्वारा नामित लोगों को शामिल किया गया वहीं प्रत्येक पंचायत समिति के 5 सदस्य भी थे । कार्यक्रम का उद्घाटन श्री भवानीसिंह देथा, जिला कलेक्टर झुन्झुनू ने किया। समापन सत्र में राजस्थान सरकार की विधानसभाध्यक्ष श्रीमती सुमित्रासिंह ने उद्बोधन देकर

मार्गदर्शन दिया। प्रशिक्षण प्रशिक्षणार्थियों की प्रशिक्षित टीम के द्वारा दिया गया । जिला प्रशिक्षणार्थी टीम को दिये गये विकेन्द्रीकृत प्रशिक्षण की मॉनीटरिंग शिक्षित रोजगार केन्द्र प्रबन्धक समिति भी दो जिलों की विभिन्न पंचायत समितियों के सरपंच, ग्रामसेवक व पंचों को दिये गये प्रशिक्षण की मॉनीटरिंग करती है । शिक्षित रोजगार केन्द्र प्रबन्धक समिति की टीम द्वारा विकेन्द्रीकृत प्रशिक्षण की मॉनीटरिंग निम्न अनुसूची के अनुसार की गई :- 12 पंचायत समितियों के सरपंच एवं ग्रामसेवकों को 30 मई से 4 जून, 2005 तक प्रशिक्षण दिया गया। यह कार्य संस्थान के तीन प्रतिनिधियों द्वारा पूरा किया गया। सभी 16 पंचायत समितियों के पंचों को 7 जून से 18 जून, 2005 तक दिये गये प्रशिक्षण को मॉनीटरिंग टीम द्वारा मॉनीटर किया गया ।

परियोजना- 2 : शहरी सन्दर्भ केन्द्र

परियोजना का स्वरूप : **स्थानीय नगर निकाय के जनप्रतिनिधियों का आमुखिकरण**

उद्देश्य :

- सूचना एकत्रित कर उनको चारों ओर फैलाना
- स्थानीय नगर निकाय के सदस्यों का क्षमता वर्धन
- शहरी विकास मे सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहन
- उत्तरदायी स्वशासन को प्रोत्साहन

कार्यकाल :

वर्ष 2005 से चल रहा है

कार्य क्षेत्र :

झुन्झुनू नगरपालिका , झुन्झुनू

हितधारक :

स्थानीय नगर निकाय प्रतिनिधि , बड़े स्तर पर शहरी समुदाय आदि

वर्ष 2005-06 की मुख्य गतिविधियां :

- वार्ड सभा आयोजन के लिए जागरूकता अभियान
- वार्ड स्तर पर जागरूकता सभा
- मोहल्ला विकास समिति का निर्माण
- स्थानीय नगर निकाय के प्रतिनिधियों का विभिन्न मुद्दों जैसे स्वास्थ्य , शिक्षा, ठोस कचरा प्रबन्धन आदि पर क्षमता वर्धन
- वार्ड स्तरीय सूक्ष्म योजना का पथ-प्रदर्शन
- दीवारों पर नारा लेखन आदि के माध्यम से जन्म पंजीकरण पर सूचना , शिक्षा व सम्प्रेषण को फैलाना

उपलब्धियां :

- लगभग 28 चुने गये स्थानीय नगर निकाय के सदस्यों को ठोस कचरा प्रबन्धन पर आमुखीकरण प्रशिक्षण दिया गया ।
- लगभग 30 मोहल्ला समिति के सदस्यों को ठोस कचरा प्रबन्धन पर आमुखीकरण प्रशिक्षण दिया गया ।
- लगभग 25 वार्ड परामर्शदाताओं को नवीनीकरण प्रशिक्षण दिया गया ।
- मोहल्ला समिति के सदस्यों को ठोस कचरा प्रबन्धन पर नवीनीकरण प्रशिक्षण ।
- नगरपालिका मे जन्म पंजीकरण दर को बढ़ाया गया ।

परियोजना- 3 सार्वभौमिक जन्म पंजीकरण

परियोजना का स्वरूप : **सार्वभौमिक जन्म पंजीकरण के लिए समुदाय को तैयार करना**

उद्‌देश्य :

वर्तमान स्तर से 25 प्रतिशत जन्म पंजीकरण को बढावा देना (0 से 14 आयु वर्ग के बच्चों का)

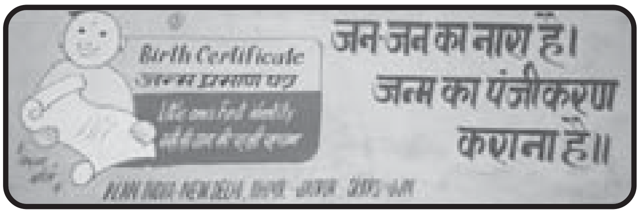

कार्यकाल :

जनवरी, 2006 से चल रहा है

कार्य क्षेत्र :

अलसीसर ब्लॉक (गहन)/झुन्झुनू और नवलगढ़ (बाहरी)

लक्षित समूह :

माता-पिता और बच्चे

हितधारक :

पंचायती राज सदस्य, ग्रामसेवक , समेकित बाल विकास योजना कार्यकर्ता ,सहायक प्रचारिका धात्री तथा ब्लॉक स्तरीय अधिकारी आदि ।

वर्ष 2005-06 की मुख्य गतिविधियां :

- लॉँच कार्यशाला
- आधार रेखा बनाने के लिए स्थिति विश्लेषण
- ग्राम स्तरीय मीटिंगों का आयोजन
- नारा लेखन , कठपुतली प्रदर्शन , सीडी सन्देश आदि के माध्यम से सूचना शिक्षा और सम्प्रेषण को चारों ओर फैलाना
- आंगनबाड़ी कार्यकर्ता , सहायक प्रचारिका धात्री व पंचायती राज सदस्यों से व्यक्तिगत अन्तःक्रिया
- इस मुद्‌दे पर पंचायती राज सदस्यों में क्षमता वर्धन करना
- जन्म पंजीकरण के रिक्त स्थानों को पूरा करने के लिए शिविरों का आयोजन
- ब्लॉक स्तरीय सभा का आयोजन

उपलब्धियां :

- समुदाय के साथ 100 ग्राम स्तरीय मीटिंगों का आयोजन किया गया

- जल चेतना रथ यात्रा में जन्म पंजीकरण मुद्दे का समावेश कर की गई वकालत का जिला प्रशासन द्वारा निरीक्षण किया गया ।
- जनवरी से मार्च, 2006 के दौरान लगभग 1500 जन्म पंजीकरण तैयार किये गये ।
- सम्पूर्ण ब्लॉक के 50 गांवों में जन्म पंजीयन दर को बढ़ाने के लिए वातावरण निर्माण के लिए कठपुतली प्रदर्शन किये गये ।
- विभिन्न हितधारकों के साथ 3 ब्लॉक स्तरीय मीटिंग आयोजित की गई ।

आजीविका परियोजना :

परियोजना- 1 : जिला गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम	परियोजना- 2 विज्ञान एवं तकनीकी विभाग	

परियोजना- 1 : जिला गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम

परियोजना का स्वरूप : बी.पी.एल. में चयनित परिवारों को आर्यवर्धन गतिविधियों से जोड़ना

उद्देश्य :

गरीबी उन्मूलन

कार्यकाल :

सितम्बर ,2003 से जून , 2007

कार्य क्षेत्र :

चूरू जिले के राजगढ़ ब्लॉक एवं चूरू ब्लॉक के 60 गांव

लक्षित समूह :

गरीबी रेखा से नीचे के परिवार

हितधारक :

गरीबी रेखा से नीचे के परिवार , गैर सरकारी संस्थान , सरकारी संस्था

वर्ष 2005-06 की मुख्य गतिविधियां :

- 239 समान रुचि समूह का निर्माण (लगभग 2600 लोग)
- 126 समान रुचि समूह के लिए उप परियोजना पास
- 136 समान रुचि समूह के लिए सम्पदा की रचना
- 26 समान रुचि समूह के लिए पूर्ण प्रमाणपत्र तैयार

कार्य के दौरान समस्याएं :

- गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों में व्याप्त निरक्षरता
- पिछले पांच वर्ष से कार्य क्षेत्र में निरन्तर चल रही अकाल की स्थिति

सफल कहानी

सफल कहानी चौधरी समान रुचि समूह : इस समूह का निर्माण दिसम्बर, 2004 में 10 गरीबी रेखा से नीचे के लोगों को मिलाकर बनाया गया था । समूह के लोगों द्वारा फर्निचर निर्माण की गतिविधि को चुना गया । शुरुआत मे समूह के लोगों को फर्निचर निर्माण का पूर्ण ज्ञान नही था । समूह के लिए मशीन का निर्धारण कर एवं उसको खरीदकर उनके कौशल में वृद्धि करने के लिए प्रशिक्षण दिया गया । समूह द्वारा फर्निचर निर्माण की कला सीखने के लिए कठिन परिश्रम किया गया । अब चौधरी समान रुचि समूह का नाम उस क्षेत्र में अच्छे फर्निचर निर्माण के लिए जाना जाता है । समूह गुणवत्तापूर्ण फर्निचर का निर्माण करता है और अच्छी कमाई करता है । वर्तमान मे समूह का प्रत्येक सदस्य औसतन 6 से 7 हजार रुपये प्रति माह कमाता है ।

परियोजना- 2 विज्ञान एवं तकनीकी विभाग

परियोजना का स्वरूप : सतत सूखा भूमि पर कृषि के लिए अनुसूचित जाति के परिवारों के लिए कृषि अभ्यास में सुधार का प्रदर्शन ।

उद्देश्य :

- सूखे फलों की बुवाई का परिचय विषेशतौर पर आंवला और बेर
- नई वैज्ञानिक तकनीक के लिए नियमित प्रशिक्षण और प्रदर्शन कार्यक्रम
- वर्षा आधारित तकनीक पर रबी की फसल चना और सरसों की बुवाई में वृद्धि
- बाजरा और खरीफ की अन्य फसलों के लिए सूखी भूमि तकनीक का प्रदर्शन विशेष रूप से उर्वरक प्रबन्धन और पौध सुरक्षा प्रमाण के सन्दर्भ में
- पशुधन के उत्तम प्रबन्धन , पोषण व नस्ल के स्तर में सुधार
- कृषि वानिकी , सूखा बागवानी और मृदा संरक्षण की अवधारणा के बारे मे ज्ञान को फैलाना
- व्यावसायिक प्रशिक्षण के माध्यम से दलित जाति के सामाजिक-आर्थिक स्तर को ऊंचा उठाना
- खारा और नमकीन पानी के प्रयोग से आई मृदा समस्या को दूर करने के लिए मृदा सुधार का प्रयोग
- वर्षा जल को बचाने , भूजल स्तर को बढ़ाने , मिश्रित फसलों की बुवाई से भूमि के उपजाऊपन की जांच , औषधीय

पौधों और फल तथा चारा उत्पादन के लिए बागवानी फसलों के परिचय के लिए साधारण तकनीकी का बना हुआ तकनीकी पैकेज लागू करना

कार्यकाल :

दिसम्बर ,2004 से नवम्बर ,2006 तक

कार्य क्षेत्र :

झुन्झुनू जिले के अलसीसर ब्लॉक के दो गांव

लक्षित समूह :

अनुसूचित जाति व जनजाति के किसान

हितधारक :

अनुसूचित जाति/ जनजाति के किसान ,कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक कृषि विभाग व पंचायती राज संस्थान आदि

वर्ष 2005-06 की मुख्य गतिविधियां :

- खरीफ फसलों के लिए 10.40 क्विन्टल अनाज का वितरण
- सुव्यवस्थित खेती पर प्रशिक्षण कार्यक्रम
- चयनित फलों की किस्म जैसे बेर व आंवला के 5000 पौधों का वितरण
- आर्द्रता संरक्षण , जैविक खाद से फसलों को उपचारित करने , उर्वरक प्रबन्धन , घास प्रबन्धन ,फसलों की बुवाई और पौध सुरक्षा आदि पर समय-समय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम
- परियोजना क्षेत्र में मृदा समस्या में आवश्यक सुधार

मानव अधिकार कार्यक्रम :

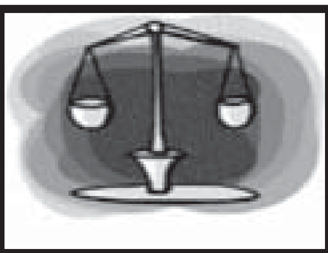

परियोजना - 1 परिवार परामर्श केन्द्र

परियोजना का स्वरूप : परिवार परामर्श केन्द्र के माध्यम से महिलाओं की समस्याओं का निदान एवं सशक्तिकरण

संस्थान मानव अधिकार के क्षेत्र में अच्छे प्रयासों के साथ काम कर रही हैं । संस्थान में एक परिवार परामर्श केन्द्र केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड, नई दिल्ली के सहयोग से चल रहा है । इस परिवार परामर्श केन्द्र में अनेक पारिवारिक समस्याओं से ग्रस्त लोगों को सम्भालकर महिलाओं को परामर्श प्रदान किया जाता है जो कि परिवार की टेन्शन से बाधित होती है । यह परियोजना एक प्रक्रिया के रूप मे चलती है जैसे पहले केस का पंजीकरण एवं बाद मे उसका हल । परिवार परामर्श

केन्द्र में मजबूत स्टाफ, परामर्शदाता , कार्यालय सहायक एवं टाइपिस्ट की उपलब्धता रखता है । यह स्टाफ सेवार्थी से अन्तःक्रिया करके उसकी समस्या को दूर करता है । यहां पर दहेज एवं पारिवारिक समस्या से सम्बन्धी केस आते हैं । अन्य गतिविधियों के अन्तर्गत विभिन्न गांवों में महिलाओं को एकत्रित कर सभा करके उनको पैंमलेट्स आदि वितरित कर प्रचार किया जाता है ।

गतिविधियों का विवरण :

कुल दर्ज केस	46
समस्या को हल करने के बाद बन्द केस	28
दहेज की मांग के केस	16
अव्यवस्था से सम्बन्धित केस	30

वर्ष भर की अन्य गतिविधियां :

विश्व स्वास्थ्य दिवस : 7 अप्रैल ,2005 को जिला मुख्यालय और अलसीसर ब्लॉक मुख्यालय पर विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया गया । अलसीसर में गैर सरकारी संस्थानों के साथ कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें ब्लॉक में अच्छे स्वास्थ्य को बढ़ाने वाले विभिन्न मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया ।

एक अन्य कार्यशाला भगवानदास खेतान अस्पताल के टीबी यूनिट में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वालों का सक्रिय सहयोग लेने के लिए आयोजित की गई । डॉ. आर. बी. सिंह (मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी), डॉ. सीताराम शर्मा (प्रजनन बाल स्वास्थ्य अधिकारी) और अन्य चिकित्सकों ने उपस्थित होकर अपने बहुमूल्य विचार दिये ।

सुरक्षित मातृत्व दिवस : इस दिवस पर 11 अप्रैल, 2005 को जिला परिषद् हॉल , झुन्झुनू मे जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस कार्यशाला मे श्री भींवाराम चौधरी (मुख्य कार्यकारी अधिकारी), मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, प्रजनन बाल स्वास्थ्य अधिकारी, केयर झुन्झुनू के प्रतिनिधि, पंचायती राज प्रतिनिधि, गैर सरकारी संस्थान के प्रतिनिधि एवं ग्राम स्वास्थ्य कार्यकर्ता उपस्थित हुये । इस कार्यशाला में मुख्य मुद्दा गांवों में हो रही शिशु एवं मातृ मृत्यु दर को कम करने पर विचार विमर्श करना रहा ।

राष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता अभियान-2005 : यह अभियान भगवानदास खेतान अस्पताल झुन्झुनू में रखा गया । अस्पताल में कचरा प्रबन्धन पर अस्पताल के कर्मचारियो के साथ एक कार्यशाला रखी गई । इस कार्यशाला में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी एवं नर्सिंग स्टाफ ने सक्रिय रूप से भाग लिया । कार्यशाला के बाद अस्पताल की सफाई के लिए अभियान रखा गया । राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थियों ने 25 जून से जुलाई, 2005 तक सक्रिय रूप से भाग लिया ।

विश्व स्तनपान सप्ताह : यह सप्ताह 1 अगस्त से 7 अगस्त, 2005 तक अलसीसर ब्लॉक के विभिन्न गांवों में मनाया गया । अभियान की शुरुआत ग्राम स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के साथ आपणो स्वास्थ्य केन्द्र, लूणा में कार्यशाला के साथ की गई जिसमें स्तनपान के फायदे के बारे में विस्तार से चर्चा की गई । ग्राम स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने 23 गांवों में ग्राम स्तर पर सभाओं का आयोजन कर महिलाओं को स्तनपान के फायदे के लिए प्रोत्साहित किया ।

अन्तरराष्ट्रीय युवा दिवस : इस दिवस पर हमारे परियोजना क्षेत्र के गांवों में युवाओं के महत्व को बताया गया । यह कार्य संस्थान द्वारा चलाये जा रहे जल्दी शादी एवं जल्दी गर्भधान निषेध के अन्तर्गत किया गया जिसमें युवा मुख्य लक्षित समूह है । अन्तरराष्ट्रीय युवा दिवस पर बाल विवाह मुद्दे पर विभिन्न प्रतियोगिताएं, विडियो शो, कठपुतली शो आदि करवाये गये । यह प्रतियोगिता राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अलसीसर, माध्यमिक विद्यालय लादूसर, हेलेना कौशिक महिला महाविद्यालय मलसीसर , युवा सूचना केन्द्र अलसीसर के बीच करवायी गई । यह गतिविधि ममता, नई दिल्ली के आर्थिक सहयोग से की गई ।

बालिका जागरूकता सप्ताह : बालिका जागरूकता सप्ताह के अन्तर्गत हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 20 से 26 सितम्बर, 2006 तक संस्था द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। बालिका जागरूकता सप्ताह के पांच गतिविधियों का आयोजन चूरू जिले में तथा एक गतिविधि का आयोजन झुंझुनूं जिले में किया गया। चूरू जिले में 22 सितम्बर को राजकीय बालिका सैकण्डरी स्कूल दुधवाखारा को भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 23 सितम्बर, 2006 को रैली, 24 सितम्बर, 2006 को चित्रकला तथा 26 सितम्बर, 2006 को भाषण प्रतियोगिता एवं पत्रकारों की कार्यशाला का आयोजन किया गया। संस्था ने झुंझुनूं जिले की अलसीसर ब्लॉक में राजकीय सीनियर सैकण्डरी स्कूल अलसीसर में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसका विषय कम उम्र में शादी एवं कम उम्र में गर्भधारण में कमी लाना रखा गया। बालिका जागरूकता सप्ताह के आयोजन में राज्य महिला आयोग एवं यूनिसेफ जयपुर का सहयोग मिला।

विश्व एड्स दिवस : यह दिवस 1 जनवरी, 2006 को 22 गैर सरकारी संस्थानों के साथ मिलकर जिले के विभिन्न भागों में जागरूकता गतिविधियों के साथ मनाया ।

चुनाव पूर्व मतदाता जागरूकता अभियान : शिक्षित रोजगार केन्द्र प्रबन्धक समिति द्वारा पांच जिलों झुन्झुनू, सीकर , चूरू , श्रीगंगानगर एवं हनुमानगढ़ में नगरपालिका चुनावों से पूर्व चुनाव पूर्व मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया । इस अभियान के निरीक्षण के लिए शिक्षित रोजगार केन्द्र प्रबन्धक समिति के साथ कुल 30 गैर सरकारी संस्थानों का समन्वयन था । अभियान के दौरान अनेक पैंमलेट्स , पोस्टर्स एवं विडियो शो आदि के माध्यम से प्रचार प्रसार किया गया ।

महिला सम्मेलन : अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर संस्था के द्वारा महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। 4 मार्च, 2006 को अलसीसर ब्लॉक में ब्लॉक स्तरीय महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें गांवों की 400 महिलाओं ने भाग लिया। इस सम्मेलन का शीर्षक था 'महिला और उनका गांव'। कनाडा की सुश्री डारलीन कलोवर और सुश्री कारोल इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। आगन्तुक अतिथियों में डॉ. भावना देथा, श्रीमती सत्या सेंगाथिर, सुश्री रशमी मोहंती केयर राजस्थान, श्री नरेन्द्र कुमार प्रधान अलसीसर ने अनेक महिला कल्याण से सम्बन्धित प्रोत्साहन भाषण दिये। अनेक कार्यक्रम जैसे लघु नाटक, गीत आदि प्रस्तुत किये गये जो महिला कल्याण का संदेश देने वाले थे। आपणो स्वास्थ्य केन्द्र लूणा (एक मातृ और शिशु स्वास्थ्य केन्द्र जो शिक्षित रोजगार केन्द्र प्रबन्धक समिति द्वारा चलाया जा रहा है) द्वारा एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जो मुख्य आकर्षण का केन्द्र और दर्शकों के द्वारा सराहनीय रहा। इस कार्यक्रम में पंचायतीराज में चुनी गई महिला जनप्रतिनिधियों ने अपने अनुभव बांटे।

8 मार्च को झुंझुनूं में जिला स्तरीय महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया था जिसमें जिले की 1000 महिलाओं ने भाग लिया। जिला प्रमुख डॉ. राजबाला ओला तथा जिला कलेक्टर श्री भवानी सिंह देथा इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। महिला कल्याण से सम्बन्धित अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। इस अवसर पर शिक्षित रोजगार केन्द्र प्रबन्धक समिति की महिला कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया।

घटते बाल लिंगानुपात के मुद्दे पर जागरूकता :

इस मुद्दे पर शिक्षित रोजगार केन्द्र प्रबन्धक समिति द्वारा पिछले दो वर्ष से गम्भीर रूप से शुरुआत की है । इस पर संस्थान इस वर्ष कुछ अच्छा काम करेगी ।

2001 की जनगणना से स्पष्ट होता है कि 6 वर्ष से कम उम्र की लड़कियों की संख्या अपनी उम्र के लड़कों से बिल्कुल मेल नही कर रही है । एक हजार लड़कों पर लड़कियो की संख्या को बाल लिंगानुपात कहते हैं । यह बाल लिंगानुपात प्रतिवर्ष घटता जा रहा है जिसका मुख्य कारण शिशु हत्या एवं भ्रूण हत्या सामने आया है । अल्ट्रासाउण्ड व सोनोग्राफी से लिंग का चयन कर कन्या भ्रूण को डिलीवरी से पूर्व अलग करने को आसान बना देती है । इस गंभीर अपराध के अभ्यास में अनेक हितधारक शामिल हैं । 2001 की जनगणना के आधार पर भारत एवं कुछ राज्यों का बाल लिंगानुपात 903 है । इस घटते लिंगानुपात की दर से यह निष्कर्ष निकलता है कि हम प्रतिवर्ष लगभग 5 लाख महिलाओं के समूह को खो देते है । यह भयंकर चौंकाने वाली स्थिति है । इस स्थिति के लिए अतिरिक्त सावधानी की जरूरत है अन्यथा भयंकर विनाश होगा । इस समय स्थिति से निपटने के लिए गैर सरकारी संस्थान और स्वयंसेवी संस्थान साथ मिलकर रणनीति बनाने की कोशिश कर रहे है । इसमें लैंगिक गंभीरता, उपलब्ध तकनीकी एवं जागरूकता की कमी को मुख्य कारण पाया गया । हमारे समाज में लाभदायक स्थान पर पुत्र का पक्ष लेना और भविष्य में अपना सहारा मानना है । पुत्री को भार के रूप में समझा जाता है उसको वृद्धि से दूर रखा जाता है । यह समाज के लिए एक अभिशाप है । अक्सर हम समाज में लैंगिक समानता की बात करते हैं लेकिन दिमाग में दूसरी बात होती है । हम अपने कहे पर नहीं रहते हैं । लोग यह भूल जाते हैं कि बिना महिला सदस्यों के परिवार में बच्चे कैसे जन्म ले सकते हैं । यह प्रकृति की देन है कि महिला ही अगली पीढ़ी के लिए बच्चों को जन्म दे सकती है ।

यह एक विचारणीय बिन्दु है कि घटने की यह दर गांवों की तुलना में शहरों में ज्यादा है । यह एक बड़ा प्रश्न है कि इस अन्तर का कारण क्या है । हम जानते है कि शहर के लोग ज्यादा पढ़े लिखे और सोच वाले हैं जिसका परिणाम यह आ रहा है । वहां पर बहुत सारे प्रश्न आते हैं कि इस बाल लिंगानुपात दर के मुद्दे पर मुख्य पृष्ठ पर हमेशा बताया जाता है । अनेक विकास संस्थाएं इस स्थिति का सही हल पाने के लिए प्रयासरत हैं । राजस्थान में भी ऐसी संस्थाएं हैं जो सीधा कन्या भ्रूण हत्या को कम करने को केन्द्र बना रही हैं जो शक्तिपूर्वक लैंगिक दर के बीच अन्तर को कम करना है । इस उद्देश्य के लिए अनेक संस्थाओं के साथ यूएनएफपीए का सहयोग है । इस मामले पर प्रभाव के लिए प्रत्येक संस्था को अभियान के लिए प्रतिबन्धित किया जा रहा है कि कहां पर अतिरिक्त प्रयासों की आवश्यकता है जिससे कि लोग समस्या को हृदय से समझ सके और सत्य को स्वीकार करने के लिए तैयार हो जाये ।

शिक्षित रोजगार केन्द्र प्रबन्धक समिति राजस्थान के शेखावाटी अंचल में बिना लाभ पर आधारित संस्थान है जो प्रभाव और सोच को स्वीकारते हुये मुद्दों पर लड़ती है । सर्वप्रथम संस्थान ने झुन्झुनू जिले में गांव स्तर पर बाल लैंगिक दर के स्तर पर अध्ययन किया । संस्थान ने प्रत्येक गांव की लिंग दर के आंकड़ों को गोपनीय रखा है । स्थिति भयावह है जिले में 2001 की जनगणना के अनुसार बाल लिंगानुपात 867 है जो 1991 के बाल लिंगानुपात 900 की तुलना में 33 कम है ।

बुहाना में शिक्षा का स्तर जिले में सबसे ज्यादा है लेकिन लिंग दर सबसे कम है । यह एक गहन शोध का मुद्दा है । शिक्षित रोजगार केन्द्र प्रबन्धक समिति इसके लिए सम्भव कारण और परिणाम पाने के लिए प्रयासरत है लेकिन अभी तक कुछ खास परिणाम नहीं मिल पाएं हैं । वर्ष 2004-05 में संस्थान द्वारा इस आवाज को अभियान का रूप दिया गया । इस पर जागरूकता लाने के लिए विभिन्न हितधारकों के लिए विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से मंच प्रदान किया गया । गतिविधियों में विद्यालय के छात्रों द्वारा रैली , विभिन्न विद्यालय स्तर की प्रतियोगिताएं जैसे वाद-विवाद , भाषण , चित्रकारी आदि , जिला स्तरीय अधिकारियों व पंचायती राज अधिकारियों के साथ कार्यशाला आदि मुख्य थी । रणनीति के द्वारा कुछ ठोस हल प्राप्त किया जा सकता है इसलिए अन्तराल को कम करने के लिए रणनीति बनायी जा सकती है । दुर्भाग्य से संस्थान अधिक नहीं बना सकी लेकिन आशा है कि नजदीक भविष्य में यह कार्य हो जायेगा ।

पीसीपीएनडीटी एक्ट कमेटी द्वारा सोनोग्राफी केन्द्रों का अचानक निरीक्षण :

संस्थान ने 5 अप्रैल को अनेक निजी सोनोग्राफी केन्द्रों का निरीक्षण कर पाने मे सफलता प्राप्त की । 5 अप्रैल की घटना को विस्तारपूर्वक समाचारों में बताया गया । शिक्षित रोजगार केन्द्र प्रबन्धक समिति के मुखिया ने झुन्झुनू जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के

ऊपर पीसीपीएनडीटी मॉनीटरिंग समिति की मीटिंग के लिए दबाव डाला । इस दबाव से 5 तारीख को मीटिंग के लिए कहा गया लेकिन तीन बार समय बदल दिया गया । अन्त मे 1 बजे समिति के सभी सदस्य मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के कार्यलय पर इकट्ठे हुए और एसआरकेपीएस के मुख्य श्री राजन चौधरी और एक स्टाफ ने सारी घटना का निरीक्षण किया । 2001 से अब तक समिति की यह पहली सभा थी । अनेक निर्णय लिये गये जो निम्न हैं :

सभी पंजीकृत सोनोग्राफी केन्द्र मासिक प्रतिवेदन जमा करवाये अन्यथा उनके खिलाफ कारवाई की जायेगी ।

सभी 29 सोनोग्राफी केन्द्रों की हर महीने जांच की जायेगी तथा किसी प्रकार से गलत पाये जाने पर उनका पंजीकरण रद्द किया जायेगा ।

अब यह समिति पीसीपीएनडीटी अनुच्छेद के तहत सभी गतिविधियों का नियमित मॉनीटर करेगी ।

सभी 29 पंजीकृत सोनोग्राफी केन्द्रों के मालिकों के साथ 23 अप्रैल, 2006 को जिला कलेक्टर की अध्यक्षता मे मीटिंग की गई ।

मीटिंग के बाद जिला मुख्यालय पर स्थित सात केन्द्रों की अचानक जांच की गई । ये हैं- शान्ति डायग्नोस्टिक केन्द्र, राजस्थानी डायग्नोस्टिक केन्द्र , चौधरी सोनोग्राफी केन्द्र , इन्दू सोनोग्राफी केन्द्र , जीवन ज्योति नर्सिंग होम , चौधरी निदान केन्द्र और एक बिना नाम का स्टेशन रोड पर स्थित सोनोग्राफी केन्द्र । स्टेशन रोड पर स्थित केन्द्र मे एक महिला केन्द्र मे कन्या भ्रूण की पुष्टि के बाद गर्भपात करवाने के लिए प्रतीक्षा करते हुये पायी गई । केन्द्र को उसी समय सील कर दिया गया । दो अन्य केन्द्र बिना पीसीपीएनडीटी अनुच्छेद के तहत पंजीकरण के चालू पाये गये । उन केन्द्रों को कानूनी प्रक्रिया में लिया गया । शान्ति डायग्नोस्टिक केन्द्र को सीधा बन्द कर दिया गया क्योंकि वह बिना अनुमति के चल रहा था । इस ऑपरेशन ने मीडिया में अच्छा स्थान प्राप्त किया जो कि गलत कार्यो के खिलाफ सन्देश दे रहा था ।

शिक्षित रोजगार केन्द्र प्रबन्धक समिति ने स्वयं शामिल होकर इस मुद्दे पर राज्य स्तर पर वकालत की । हमने राज्य और राष्ट्रीय स्तर के नेटवर्क के साथ हाथ मिला रखे हैं । हम हमारे जिले मे पीसीपीएनडीटी अनुच्छेद को लागू करने के लिए लगातार प्रयासरत हैं । हम क्षेत्र में बीमार अभ्यास के लिए सावधानी बरतने के लिए समुदाय के साथ लामबन्दी के लिए भी लगातार प्रयासरत हैं ।

शहरी चुनाव पूर्व मतदाता जागरूकता अभियान : राजस्थान सरकार द्वारा 73वें और 74वें संविधान संशोधन को कौशलपूर्ण ढंग से लागू किया गया । राज्य में हाल ही में तीसरी बार पंचायतीराज चुनाव हुए हैं । 17 अगस्त, 2005 को राज्य के बहुत बड़े भाग में शहरी निकायों के चुनाव सम्पन्न हुए । राज्य में चुनाव के समय अनेक सामाजिक संगठनों ने साफ सुथरे चुनाव करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की । राज्य के अनेक गैर सरकारी संस्थान साफ सुथरे चुनाव के लिए अभियान में शामिल हुए । एक गैर सरकारी संस्थान प्रिया ने राज्य के अनेक गैर सरकारी संस्थानों को अभियान के लिए संगठित किया । विभिन्न गैर सरकारी संस्थानों ने प्रिया के नेतृत्व में शहरी स्थानीय निकायों के चुनावों से पूर्व अभियान को शुरू किया । अभियान का नाम था चुनाव पूर्व मतदाता जागरूकता अभियान, जो लगभग एक महीने की गतिविधि थी । इस अभियान में जिले व नगरपालिकाओं में मतदाता जागरूकता अभियान के लिए रथ यात्रा का आयोजन किया गया । पोस्टर, कैसेट के माध्यम से जानकारी दी । सभी नगरपालिकाओं के केबल आपरेटरों के सहयोग से सीडी का प्रसारण सुबह व सायं समाचारों से पूर्व करवाया गया । जिसमें जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक व दो सामाजिक कार्यकर्ताओं के संदेश दिये गये ।

राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र में समाज नेटवर्क और शिक्षित रोजगार केन्द्र प्रबन्धक समिति ने मुख्य संस्था के रूप में नेतृत्व लेकर पांच जिलों - झुंझुनूं, चूरू, सीकर, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर में अभियान चलाया । गतिविधि की शुरुआत 8 जुलाई, 2005 को शहरी स्थानीय निकायों के चुनावों की घोषणा के बाद झुंझुनूं में गैर सरकारी संस्थानों की परिचय मीटिंग के साथ हुई । इस गतिविधि का अन्तिम समापन 14 अगस्त को, 17 अगस्त को होने वाले चुनाव से तुरन्त पहले हुई । जिला प्रशासन द्वारा भी गतिविधियों में सहयोग प्रदान किया गया, जो कि मतदाता और साफ सुथरे चुनाव के लिए लाभदायक घटना है ।